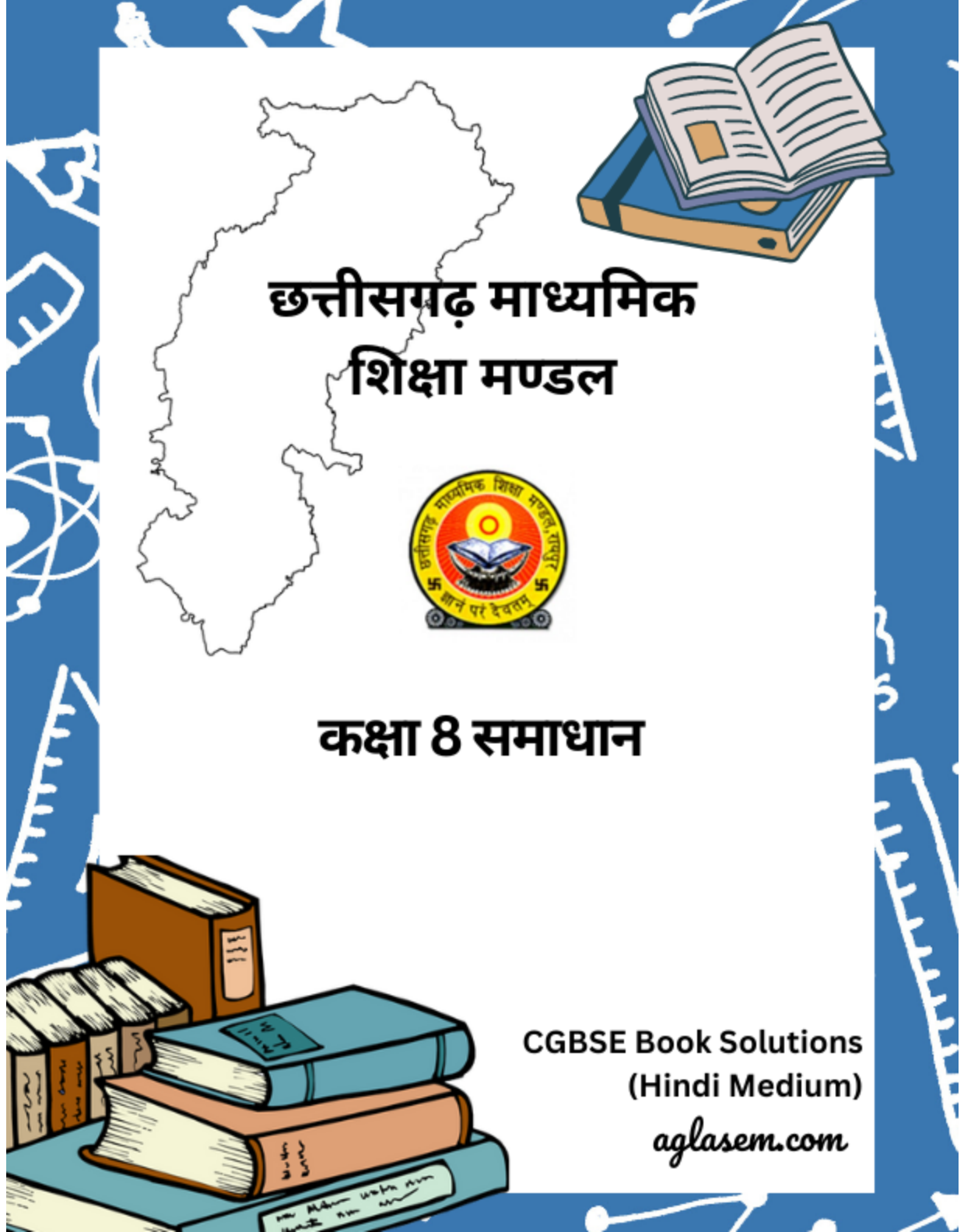


CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions



CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions

Chapter 5 (पांचवीं झलक)

अफ्रीका में गांधी जी के संघर्षमय कार्य

Page No.12

अभ्यास:

प्रश्न 1. अफ्रीका में गांधी जी को किन-किन अपमानजनक घटनाओं का सामना करना पड़ा ?

उत्तर - गाँधी जी के साथ दक्षिण अफ्रीका में सर्वप्रथम अपमानजनक घटना उस समय हुई जब वे मजिस्ट्रेट कोर्ट में गये और मजिस्ट्रेट ने उन्हें अपनी पगड़ी उतारने के लिए कहा। दूसरी अपमानजनक घटना उस समय हुई जब ट्रेन के पहले दर्जे के डिब्बे में बैठकर जा रहे थे और एक गोरे अंग्रेज ने उन्हें जबरन अपमानित करके प्लेटफार्म पर उतार दिया। गाँधी जी के साथ तीसरी अपमानजनक घटना घोड़ागाड़ी की यात्रा के दौरान हुई जब उन्हें अंदर न बैठकर घोड़ागाड़ी वाले के साथ बैठना पड़ा। और बाद में उन्हें उस पर से एक गोरे ने उतर कर जमीन पर बैठने को कहा जिसका विरोध करने पर उसने गाँधी जी के सिर पर चोट पहुंचाई और बुरी तरह से मारकर उन्हें घायल कर दिया।

प्रश्न 2. इन घटनाओं की गांधी जी पर क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर - दक्षिण अफ्रीका में गाँधी जी के साथ जो घटनाएं तथा अपमानजनक व्यवहार हुआ उसने गाँधी जी की मनोस्थिति को पूर्णतः बदल कर रख दिया और उन्होंने यह तय किया कि कुछ भी हो जाये मैं प्रत्येक स्थिति का सामना करूँगा, राग द्वेष से दूर रहकर अन्याय का विरोध करूँगा और उनकी इसी सोच ने उनकी भावी जीवन की रूप रेखा तय किया और इसी के आधार पर उन्होंने अफ्रीका और भारत में गोरे लोगों के अत्याचार का विरोध किया।

प्रश्न 3. गांधी जी ने भारत आना क्यों स्थगित कर दिया ?

उत्तर - गाँधी जी के लिए जब बिदाई भोज का आयोजन किया गया था उसी दौरान उनके हाथ में “नैटाल मर्करी” नाम का अखबार किसी ने दिया। उस अखबार में नैटाल विधान सभा की रिपोर्ट छपी थी। जिसमें भारतीयों को मताधिकार से वंचित करने का विधेयक विधान सभा के अगले सत्र में पेश होना और पारित होना था। और अगले सत्र में उपस्थित होने की बात कही गयी थी। इसे पढ़ते ही गाँधी जी ने अपने भारत वापसी की यात्रा को स्थगित कर दिया।

प्रश्न 4. अफ्रीका में गांधी जी ने भारतीयों को कैसे संगठित किया ?

उत्तर - दक्षिण अफ्रीका के भारतीय समाज को एकजुट होकर किसी आंदोलन या प्रदर्शन का कोई अनुभव नहीं था। गाँधी जी की अगुआई से सबको नया मार्ग खुलता हुआ दिखाई दिया। सबके अंदर साहस और उत्साह का संचार हुआ। जगह जगह भारतीय समुदायों के बीच सभाएं और चर्चा का दौर आरम्भ हो गया। सभी भारतीय इसमें शामिल होकर चर्चा में हिस्सा लेते और आंदोलन के लिए चन्दा एकत्र किया जाने लगा। और इसी क्रम में ब्रिटिश उपनिवेश मंत्री लार्ड रिपन के पास नैटाल विधान सभा में पास हुए प्रस्ताव के विरुद्ध दस हजार भारतीयों में हस्ताक्षर करके एक दरखास्त भेजी गयी। इसी बीच भारतीयों की एकता और मजबूत और स्थायी करने के उद्देश्य से नैटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना 22 अगस्त सन् 1894 में की गयी। जिसमें सेठ अब्दुल्ला अध्यक्ष और गांधी जी को मंत्री चुना गया। इसी बीच लार्ड रिपन ने भारतीयों के विरुद्ध पास कानून को समाप्त कर दिया। जिससे भारतीय समाज में खुशी की लहर दौड़ गयी और ज्यादा से ज्यादा लोग संगठित होने लगे। और भारतीयों को संगठन की शक्ति का अनुभव हुआ।

प्रश्न 5. नैटाल में गांधी जी ने भारतीय शिक्षण संघ की स्थापना क्यों की ?

उत्तर - नैटाल में गांधी जी ने नैटाल भारतीय शिक्षक संघ की स्थापना की जिसका उद्देश्य लोकमत तैयार करना था। इस संस्था के माध्यम से वहां रहने वाले भारतीय और उनके बच्चों को शिक्षित करना और अपने मातृभूमि के प्रति आदर और प्रेम का संचार करना था।

प्रश्न 6. भारत आकर गांधी जी ने प्रवासी भारतीयों की दुर्दशा से लोगों को कैसे अवगत कराया ?

उत्तर - भारत आते गांधी जी अंग्रेज और भारतीय पत्रकारों से मिले। उन्हें स्टेट्समैन और द इंग्लिश मैन के संपादकों ने बहुत ही प्रोत्साहन दिया और इन्हीं पत्रों में उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी भारतीय समुदाय पर हो रहे अत्याचार से लोगों को अवगत कराया फिर वह जहा -जहा गए वहां के समाचार पत्रों के माध्यम से अफ्रीका में हो रहे अन्याय और दुर्दशा से लोगों को अवगत कराया। और इसी क्रम में हरी पुस्तिका का भी प्रकाशन किया।

प्रश्न 7. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:-

(क) नैटाल इंडियन कांग्रेस की स्थापना सन् में हुई ।

उत्तर - 22 अगस्त सन् 1894 .

(ख) नैटाल इंडियन कांग्रेस के अध्यक्ष और मंत्री चुने गए ।

उत्तर - अध्यक्ष अब्दुल्ला और मंत्री गांधी।

(ग) हरी-पुस्तिका का प्रकाशन में हुआ ।
उत्तर -3 फ़रवरी सन् 1929 .

(घ) गांधी जी को अपना राजनैतिक गुरु मानते थे ।
उत्तर -गोपाल कृष्ण गोखले।

aglasem.com